third Annual Report of the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi, for the year 1978-79. [Placed in Library. *See* No. LT-1089/80].

REFERENCE TO PRIVILEGE MOTION NOTICE AGAINST THE HOME MINISTER

श्री सत्य पाल मलिक (उत्तर प्रदेश) : मैंने आप को एक प्रिविलेज का नोटिस दिया था कि माननीय गृह मंत्री ज्ञानी जैल सिंह जी ने जो गलत रिपोर्ट दी है उसके बारे में आप ने पक्षपात किया है। आपने गलती की है। (*Interruptions*) मेरी मान्यवर चेयर से अपील है। आप को मुझ को सुनना पड़ेगा। इस सदन को बिना कायदे कानून के चलाया जा रहा है। यह सदन बिना कायदे कानून के चल रहा है।

श्री सभापति : आप अखबार पढ़ते हैं या नहीं ? कटिंग्स तो बहुत आ जाती हैं ? स्पेशल मेंशन्स के साथ और कालिंग अटेंशन के साथ। आप ने पढ़ा होगा कि प्रधान मंत्री ने वहां के चीफ मिनिस्टर को यहां समन किया है। रिपोर्ट क्या है और क्या नहीं है, उसी के बारे में यह सब हो रहा है। कल श्री कुलकर्णी जी ने यहां कहा था .... (*Interruptions*)

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही (उत्तर प्रदेश) : उस पर यह नहीं है। यह तो उनका प्रिविलेज मोशन है। माननीय जैल सिंह जी ने जो यहां बयान दिया कि उस लेडी को रेप नहीं किया गया और मेडिकल रिपोर्ट कहती है कि रेप किया गया, उस पर यह प्रिविलेज मोशन का सवाल है। आप ने उसे भेजा था जैल सिंह जी के पास और आप ने कहा था कि हम कल सुनेंगे। उस पर उन का प्रिविलेज मोशन है। उस को आप सुन लें।

श्री सभापति : अभी मेरे पास कोई जवाब नहीं आया है।

श्री सतपाल मलिक : मेरी आपत्ति आप सुन लें।

श्री सभापति : मैं उन को याद दिलाऊंगा कि इस को पीर के दिन रखें।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : लेकिन उन्होंने उस को परसों दाखिल किया था।

श्री सभापति : फिर मैं कहूंगा कि आप शायद अखबार नहीं पढ़ रहे है आज कल। अखबार अगर आप पढ़ें तो आप को पता चलेगा कि गृह मंत्री के लिये बहुत से जवाबात की अब जरूरत हो रही है।

श्री सत्यपाल मलिक : मेरी आपत्ति आप सुन लें। आप ने गृह मंत्री जी को जो उसे भेजा है वह गलत काम किया है। मेरी आपत्ति आप सुन लें।

श्री सभापति : मैं जवाबतलब करुंगा आज उन से।

श्री सत्यपाल मलिक : जवाबतलब करना गलत है। आप मेरी आपत्ति सुन लें। मेरी बात आप एक मिनट में सुन लेंगे।

श्री सभापति : अभी नहीं।

श्री सत्यपाल मलिक : आप ने नियम के प्रतिकूल काम किया है।

PAPERS LAID ON THE TABLE—*Contd.*

MR. CHAIRMAN: Papers to be laid. Shri Shankaranand.

SHRI B. SHANKARANAND: Sir, I have already laid the papers.